कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया (राज.)

कृषि विज्ञान केन्द्र की विकास यात्रा (1996 से अब तक)

क्षेत्र के ग्रामीण परिवेश में कृषि के विकास के लिये कृषि की नवीनतम प्रविधियों, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी विविध प्रकार की गतिविधियां संचालित कर क्षेत्र के किसान परिवारों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से वर्ष 1994 में कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया की स्थापना की गई। परन्तु कृषि विज्ञान केन्द्र ने वास्तविक रुप से अपना कार्य करना वर्ष 1998 से तकनीकी स्टॉफ की नियुक्ति के साथ ग्रामोत्थान विद्यापीठ के अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला के सशक्त नेतृत्व में प्रारम्भ किया।

आधारभूत संरचना का विकास

क्रम सं.	विवरण	निर्माण वर्ष	लागत राशि (लाख)	वित्तीय सहयोग
1	प्रशासनिक भवन	1997-98	15.28	भाकृअनुप, नई दिल्ली
2	थ्रेसिंग फ्लोर	2004-05	1.00	भाकृअनुप, नई दिल्ली
3	मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला	2004-05	8.31	भाकृअनुप, नई दिल्ली
4	फार्म फैन्सिंग	2005-06	8.10	भाकृअनुप, नई दिल्ली
5	स्टॉफ आवास 6	2005-07	25.95	भाकृअनुप, नई दिल्ली
6	फार्म गोदाम	2006-07	1.38	भाकृअनुप, नई दिल्ली
7	बीज प्रसंस्करण इकाई व बीज गोदाम	2007-08	17.24	कृषि विभाग, राजस्थान
8	भूमिगत पाईप लाईन			
9	बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली व रैनगन			
10	पादप स्वास्थ्य चिकित्सालय	2010-11	10.00	भाकृअनुप, नई दिल्ली
11	जल संग्रहण तालाब (डिग्गी)	2011-12	10.00	भाकृअनुप, नई दिल्ली
12	ट्यूबवैल			
13	हाई टैक नर्सरी	2013-14	25.00	कृषि विभाग
14	वर्षा जल संग्रहण प्रणाली	2018-19	नगरपालिका, संगरिया द्वारा निर्मित	नगरपालिका, संगरिया
15	बत्तख पालन इकाई		0.02	कृविके फण्ड
16	खरगोश पालन इकाई		0.04	कृविके फण्ड
17	स्वचालित मौसम केन्द्र	2021-22	भाकृअनुप, द्वारा निर्मित	भाकृअनुप, नई दिल्ली
18	पशु पालन इकाई (अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत)	2021-22	10.75	भाकृअनुप, नई दिल्ली
19	पोल्ट्री अण्डा हैचिंग इकाई	2021-22	1.65	भाकृअनुप,

	(अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत)			नई दिल्ली
20	प्राकृतिक खेती	2022-23	2.36	भाकृअनुप, नई दिल्ली
21	प्रसंस्करण इकाई एवं मिनि दाल मिल (अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत)	2022-23	7.70	भाकृअनुप, नई दिल्ली

प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण इकाईयों का विकास

क.सं.	विवरण	निर्माण वर्ष	क्षेत्रफल / क्षमता	लागत राशि (लाख)	वित्तीय सहयोग
1	मत्स्य प्रदर्शन इकाई	2001-02	0.20	5.25	भाकृअनुप, नई दिल्ली
2	वर्मी कम्पोस्ट इकाई	2004-05	80 M^2	0.75	कृविके फण्ड
3	किन्नो बाग	2005-06	2.5 hac.	1.00	कृविके फण्ड
4	मघुमक्खी पालन इकाई	2007-08	4 Box	0.10	कृविके फण्ड
5	क्रॉप केफ्टेरिया	2014-15	0.5 hac.	0.10	कृविके फण्ड
6	अजोला उत्पादन इकाई	2014-15	60 $Feet^2$	0.15	कृविके फण्ड
7	न्यूट्रीशनल किचन गार्डन	2014-15	150 $Feet^2$	0.04	कृविके फण्ड
8	मशरुम उत्पादन इकाई	2015-16	25 Quintal. Capacity		कृविके फण्ड
9	अलंकृत मछली उत्पादन इकाई	2015-16	800 $Feet^2$	0.10	कृविके फण्ड
10	पशु रोग निदान प्रयोगशाला	2015-16	35 $Feet^2$		कृविके फण्ड
11	बकरी पालन इकाई	2016-17	7562.5 $Feet^2$	6.05	भाकृअनुप, नई दिल्ली
12	मुर्गी पालन इकाई	2016-17	700 $Feet^2$		
13	समन्वित कृषि प्रणाली	2017-18	1.00 hac		
14	तकनीकी सूचना केन्द्र	2017-18	656 $Feet^2$	2.32	भाकृअनुप, नई दिल्ली
15	वेस्ट डिकम्पोजर इकाई	2017-18	1000 Botel	0.03 5	कृविके फण्ड
16	किन्नौ बाग (Ridge bed method)	2020-21	1.00 hac	3.46	RWSLIP, Jaipur
17	हर्बल गार्डन	2022-23	0.25 hac		भाकृअनुप, नई दिल्ली

मछली पालन प्रदर्शन इकाई

केन्द्र के पास 0.20 हैक्टर क्षेत्रफल में एक पक्का तालाब बनाकर मछली पालन इकाई की स्थापना की गई है। जहाँ पर युवाओ तथा किसानो को ''करके सीखो'' के आधार पर मछली पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा मछली की तीन प्रजातिया कतला, रोहू,व म्रिगल पाली जा रही है। इस इकाई की स्थपाना वर्ष 2001–02 में की गई थी।

वर्मी कम्पोस्ट इकाई

रासायनिक खेती के दुष्प्रभावो को देखते हुये किसानों को जैविक खेती/समन्वित खेती से जोड़ने के लिये उन्हें जैविक आदानों के निर्माण व उपयोग के ज्ञान की आवश्यकता होती है। जैविक खेती/समन्वित खेती के लिये केंचुए की खाद एक उत्तम आदान है। अतः किसानों को केंचुए की खाद बनाने की प्रायोगिक जानकारी देने के उद्देष्य से 80 वर्ग मीटर क्षेत्र में 20 बैड की एक वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना वर्ष 2004–05 में की गई थी। यह इकाई सफलतापूर्वक संचालित हो रही है तथा किसानों को इस इकाई से केचुए उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

किन्नौ प्रदर्शन इकाई

केन्द्र पर वर्ष 2005–06 में 2.5 हैक्टर क्षेत्रफल पर किन्नौ बाग की स्थापना की गई थी। यह बाग बूंद–बूंद सिंचाई पद्वति पर आधारित है। इस बाग की स्थापना का उदेश्य केन्द्र की आय बढ़ाना तथा केन्द्र पर पधारे कृषकों को इसका अवलोकन करवाकर उन्हें किन्नौ बागवानी की ओर बढ़ावा दिया जा सके।

मधुमक्खी पालन प्रदर्शन इकाई

क्षेत्र में मधुमक्खी पालन की तरफ युवाओं के बढ़ते रूझान को देखते हुये उन्हें प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया पर वर्ष 2007–08 में 4 बक्सों की एक प्रदर्शन इकाई स्थापित की गई। इसके माध्यम से अब तक लगभग 700 किसानों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान कर मधुमक्खी पालन में पारगंत किया जा चुका है। मधुमक्खी पालकों को प्रोत्साहन व मदद दिलाने के लिये इन्हे नेशनल बी बोर्ड, नई दिल्ली से पंजीकृत कराया जा रहा है।

कॉप केफ्टेरिया

कृषि समुदाय के लिये विभिन्न फसलों की किस्मों तथा फसल प्रबन्धन पद्धतियों के महत्व के प्रसार के लिये फसल केफ्टेरिया की अवधारणा को कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया में वर्ष 2014–15 में 0.5 हैक्टर क्षेत्रफल पर शुरु किया गया। इस केफ्टेरिया में खरीफ में अमेरिकन कपास (नरमा), देशी कपास, ग्वार मूंग, तिल तथा रबी में गेहूं, सरसों, चना, जौ, जई इत्यादि कृषि जलवायू क्षेत्र की स्थितियों के अनुसार उगाया जाता है ताकि किसान क्रॉप केफ्टेरिया में उगाई गई विभिन्न किस्मों को पारस्परिक तुलनात्मक रुप से देखकर तक तकनीकों को समझ कर अपने खेत पर अपनाने का निर्णय कर सके।

अजोला इकाई

अजोला इकाई का प्रारम्भ वर्ष 2014–15 में किया गया। अजोला पशुओं व मुर्गियों हेतु प्रोटीन का बहुत अच्छा व सस्ता स्रोत है। विभिन्न प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यक्रम में इसकी गुणवत्ता के बारे किसानों को जागरुक किया गया है। किसान अजोला का उपयोग पशु पोषण में कर लागत को कम कर रहे हैं।

न्यूट्रीशनल किचन गार्डन

परिवार की आवश्यकतानुसार ताजी एवं शुद्ध सब्जियों की उपलब्धता वर्षभर होती रहे साथ ही धन की भी बचत हो इस उद्देश्य से केन्द्र पर वर्ष 2014–15 में न्यूट्रीशनल किचन गार्डन की स्थापना 150 वर्गफीट में की गई है। इस वाटिका का उद्देश्य केन्द्र पर आने वाले किसानों एवं महिलाओं को गृह वाटिका का अवलोकन करा उन्हें घरेलु स्तर पर वर्ष भर की सब्जी उत्पादन की ओर प्रेरित करना है।

मशरूम उत्पादन इकाई

मानव आहार में मशरूम तेजी से अपना स्थान बना रहा है और प्रतिदिन इसकी माँग बढती जा रही है। ऐसे में मशरूम उत्पादन एक नये कृषि सहायक धन्धे के रूप में उभर कर आ रहा है। युवा वर्ग

को स्वरोजगार प्रदान करने की दृष्टि से यह व्यवसाय अपना स्थान बना रहा है। अतः ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन की प्रायोगिक जानकारी देने के उद्देश्य से केन्द्र पर वर्ष 2015–16 में 25 कुन्तल कम्पोस्ट की क्षमता वाली मशरूम उत्पादन इकाई की स्थापना की गई।

अलंकृत मछली पालन इकाई

आजकल घरों में और यहाँ तक कि कार्यस्थलों में रंगीन मछलियों के एक्वेरियम लगाने का प्रचलन बढ़ रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक अलंकृत मछली पालन इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई से रंगीन मछलियों का प्रजनन कराया जाता है तथा एक्वेरियम तैयार कर युवाओं को प्रेरित कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। ताकि इस व्यवसाय से बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार हेतु जोड़ा जा सके।

पशु रोग निदान प्रयोगशाला

पशुओं के रोगों की सटीक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्र पर एक पशु रोग निदान प्रयोगशाला की स्थापना वर्ष 2015–16 में की गई। इस प्रयोगशाला में पशुओं के खून व गोबर की जाँच कर अन्तःपरजीवी व रक्त परजीवी की उपस्थिति का पता लगाया जाता है। ताकि इस आधार पर पशु को उपयुक्त उपचार दिया जा सके।

बकरी पालन इकाई

इस इकाई की स्थापना 2016–17 में सिरोही नस्ल की 10 बकरी व 2 बकरों के साथ की गई। इस इकाई में ''करके सीखो सिद्धान्त'' पर प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता है तथा उचित दर पर नस्ल सुधार हेतु नर बेचे जाते हैं।

मुर्गी पालन इकाई

इस इकाई का निर्माण 2016–17 में किया गया तथा इस इकाई से किसानों को बैकयार्ड पोल्ट्री हेतु जागरुक किया गया। जिससे किसान परिवार के लिये आय व प्रोटीन पोषण पूर्ति होती है। इकाई से अब तक प्रतापधन, आरआईआर, कड़कनाथ एफएफजी, चैब्रो, ब्लैक एस्टरलोप आदि नस्लों के चूजे विभिन्न योजनान्तर्गत किसानों को दिये गये।

समन्वित कृषि प्रणाली

कृषि में बढती आदान लागतों तथा रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों को कम करने के उद्देष्य से किसानों को प्रायोगिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिये केन्द्र पर एक समन्वित कृषि प्रणाली (Integrated Farming System) की स्थापना की गई है। इसके अन्तर्गत फसलोत्पादन के साथ–साथ सब्जी उत्पादन, जल कृषि, बकरी पालन, मुर्गी पालन को सम्मिलित किया गया है। इस प्रणाली में एक व्यवसाय के उप उत्पाद दूसरे व्यवसाय के आदान का कार्य करते हैं। इससे इन सभी व्यवसायों की लागत कम हो जाती है तथा अधिक शुद्व लाभ प्राप्त होता है।

तकनीकी सूचना इकाईः–

वर्ष 2017–18 में केन्द्र पर 656 वर्ग फीट क्षेत्रफल पर तकनीकी सूचना इकाई स्थापित की गई। इस सूचना इकाई में कृषि एवं कृषि से जुड़ी अन्य नवीनतम तकनीकों की जानकारी दृश्य सामग्रियों, द्वारा प्रदर्शित की गई है। संचार के विभिन्न श्रव्य–दृश्य साधनो द्वारा किसानों को नवीनतम तकनीकों की जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। इस इकाई से अब तक कुल 592 किसानों, विद्यार्थियों, युवा कृषक तथा कृषक महिलाओं सहित, विभिन्न संस्थानों के निदेशक, जिला कलक्टर, विधायक इत्यादि द्वारा भ्रमण किया गया तथा वर्ष 2019 से व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर 371 किसानों ने अपनी समस्याओं का समाधान पाया। नवीनतम तकनीकी व सूचनराओं का प्रसार व्हाट्सएप्प समूह, फेसबुक तथा संदेशों के माध्यम से किया जाता है।

केन्द्र की वेबसाईट

वर्ष 2018 में किसानों के लिये केन्द्र की वेबसाईट hanumangarh1.kvk2.in बनाई गई । वेब साईट किसानों को केन्द्र की गतिविधियों से सम्बंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिये बनाई गई है। इस वेबसाईट पर अब तक 9512 विजिटर्स ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

वेस्ट डिकम्पोजर

वेस्ट डिकम्पोजर वह कृषि आदान है जो गोबर की खाद, कम्पोस्ट इत्यादि को शीघ्रता से डीकम्पोज करने तथा खेतों में पड़े फसल अवशेषों को शीघ्रता से डिकम्पोज करने के लिये उपयोग किया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को उक्त डिकम्पोजर की बोतलें जायज कीमत पर उपलब्ध करवा रहा है ताकि किसान इसका पूरा लाभ ले सकें।

रेजड बैड किन्नौ प्रदर्शन इकाई

राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना (RWSLIP) जल संसाधन विभाग, जयपुर के अन्तर्गत केन्द्र पर वर्ष 2020–21 में 1.0 हैक्टर क्षेत्रफल में रैजड बैड किन्नौ प्रदर्शन इकाई की स्थापना की गई। इस बाग में नई तकनीक ऊंची उठी हुई क्यारियों पर पौधरोपण किया गया है। यह पूर्णतया बूंद–बूंद सिंचाई पद्धति पर आधारित है। जिससे जल बचत के प्रति कृषकों को जागरुक किया जा सके साथ ही इसमें प्लास्टिक मल्च का प्रयोग किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य नमी संरक्षण व खरपतवार प्रबन्धन है।

हर्बल गार्डन

केन्द्र पर वर्ष 2022–23 में हर्बल गार्डन की स्थापना 0.25 हैक्टर क्षेत्रफल में की गई हैं इसके अन्तर्गत क्षेत्र में कम प्रचलित फलवृक्ष आलू, आलू बुखारा, सेब, अंजीर व लीची की उन्नत किस्मों के पौधे रोपण किये गये हैं। साथ ही इसमें विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधे जैसे तुलसी, शतावर, छोटी इलायची, स्ट्रोनेला, लेमनग्रास, एलोवेरा, बच, कालमेघ, सफेद आक व ब्रह्मी इत्यादि का रोपण किया गया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र की उपलब्धियां

- कृषक, कृषक महिलाओं, युवक– युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिये लघु या व दीर्घावधि व्यवसाय परक प्रशिक्षणों का आयोजन करना कृषि विज्ञान केन्द्र का मुख्य कार्य है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से स्वरोजगार की स्थापना तथा कृषि व्यवसाय में बढ़ोतरी करने के लिये उपरोक्त को कृषि की नवीनतम तकनीकी से परिपूर्ण किया जाता है। गत 25 वर्षों में कृषि विज्ञान केन्द्र ने 1542 प्रशिक्षण कार्यक्रमों (लघु व दीर्घावधि) के माध्यम से 41482 कृषक, कृषक महिलाओं, युवक–युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।
- नवीनतम कृषि तकनीकी की उत्पादन क्षमता व अन्य विशेषताओं को किसानों व प्रसार कार्य कर्ताओं के समक्ष प्रदर्शित करने के उद्देश्य से गत 25 वर्षों में 6073 प्रदर्शनों का आयोजन कर जिले के किसानों को लाभान्वित कर नवीनतम कृषि तकनीकी का प्रसार किया गया।
- कृषि तकनीकी के परिष्करण व पुर्नःमूल्यांकन हेतु विभिन्न विषयों पर 424 प्रक्षेत्र परीक्षणों का आयोजन 1481 किसानों के खेतों पर किया है और उस परिष्कृत तकनीकी का प्रचार प्रसार जिले के किसानों में किया गया है।
- जिले के किसानों में नवीनतम कृषि तकनीकी के त्वरित व प्रभावी प्रचार प्रसार के लिये गत 25 वर्षों में विभिन्न प्रसार गतिविधियों का आयोजन निम्नानुसार किया गया है।

क. सं.	प्रसार गतिविधि	संख्या	लाभान्वितों की सं.
1	प्रक्षेत्र दिवस	227	11923
2	किसान मेला	39	38372
3	किसान गोष्ठी	136	5903
4	फिल्म शो	1202	18311
5	टीवी शो	30	Not fixed
6	रेडियो टॉक	146	Not fixed
7	प्रदर्शनी	43	98506

8	किसान दिवस	19	3418
9	नैदानिक यात्रा (Diagnostic visit)	206	3778
10	वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेतों का भ्रमण	3210	41098
11	किसानों का कृविके पर आगमन	43804	43804
12	अभियान (Campaign)	6	Not fixed
13	एक्सपोजर विजिट (Exposure visit)	89	4313
14	पशु स्वास्थ्य कैम्प	27	1432
15	विधि प्रदर्शन (Method Demonstration)	478	11306
16	कार्यशाला	11	635
17	तकनीकी सप्ताह	5	1030
18	समूह बैठक	173	7254
19	महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन	94	9732
20	आलेख (पॉपूलर आर्टीकल)	608	Not fixed
21	अनुसंधान पत्र	23	Not fixed
22	कृषि साहित्य (पैम्फलेटस, फोल्डर इत्यादि)	98	Not fixed
23	न्यूज पेपर कवरेज (News Papar Coverage)	1715	Not fixed
24	टेलीफोन हेल्पलाईन	184452	184452
25	व्याख्यान (Lecture delivered as resource person)	5469	56318
26	सफलता की कहानी /केस स्टडी	191	Not fixed
27	कृषि तकनीकी क्लब की बैठक	141	3016
28	स्वयं सहायता समूह की बैठक	108	1479
29	फार्मर फील्ड स्कूल	13	455
30	रावे प्रोग्राम	72	1296
31	इंटरनशिप प्रोग्राम	6	6

- बीज एक बुनियादी आदान है और अच्छी उपज प्राप्त करने के लिये प्रमुख साधन है। यदि उन्नत किस्म का प्रमाणित बीज उपयोग में लाया जाये तो यह 20–25 प्रतिशत उपज में वृद्धि कर सकता है। इसलिये कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया ने गत 25 वर्षों में विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का 2497.42 कुन्तल बीज पैदा कर जिले के किसानों को उपलब्ध कराया है।
- किसानों को उच्च गुणवत्ता के रोग व कीट मुक्त फल व सब्जीयों की पौध उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2013–14 में हाई टैक नर्सरी की स्थापना की। इस नर्सरी के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया ने गत 10 वर्षों में 1594803 फलवृक्षों व सब्जियों की पौध किसानों को उपलब्ध कराई।
- कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया वर्ष 2001 से 'केशव खेती' नामक त्रैमासिक कृषि पत्रिका का हिन्दी भाषा में नियमित प्रकाशन कर रहा है। यह पत्रिका भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक (The Registrar of Newspaper of India) के यहां पंजीकरण सं. RAJHIN/2001/11260 से पंजीकृत है।

- कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया की मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला में वर्ष 2005 से किसानों के खेतों की मिट्टी व ट्यूबवैल के पानी का परीक्षण कर किसानों को उसके उचित उपयोग की सलाह दे रहा है। गत 18 वर्षो में मृदा व जल के 38425 नमूनों का परीक्षण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र की जिले के कृषकों के लिये विशेष उपलब्धियां

- भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी से प्राप्त जई की किस्म JHO-822 (Bundael jai 822) को कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया द्वारा अपने प्रदर्शनों में शामिल किया गया। इससे प्राप्त परिणामों तथा ग्राह्य परीक्षण केन्द्र हनुमानगढ़ व श्री करणपुर के द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों के आधार पर कृषि खण्ड श्रीगंगानगर की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति द्वारा कृषि जलवायवीय खण्ड श्रीगंगानगर की रबी 2017–18 की Package of practice (POP) में शामिल किया गया। पशुओं के स्वास्थ्य तथा दूध की गणना एवं गुणवत्ता में लाभ प्राप्त हुआ। किसानों की आय वृद्धि में सफलता प्राप्त हुई।
- चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा विकसित मूंग की किस्म MH-421 को वर्ष 2016 में कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया के कलस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में शामिल किया गया। इसकी अच्छी उपज व रोग प्रतिरोधकता के परिणाम के आधार पर इस किस्म को कृषि खण्ड श्रीगंगानगर की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति द्वारा कृषि जलवायुवीय खण्ड श्रीगंगानगर की खरीफ 2019 की Package of Practice (POP) में शामिल किया गया है। वर्तमान में यह मूंग के अन्तर्गत बोये जाने वाले कुल क्षेत्र के 54 प्रतिशत भाग में बोई जा रही है। इस किस्म की पैदावार अधिक होने से किसानों की आय बढ़ी ।
- चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की सरसों की किस्म RH-749 के कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया ने वर्ष 2015 से 2022 के बीच 778 प्रदर्शन लगाये। इसके परिणाम संतोष जनक रहे। यह किस्म किसानों के लिये सरसों की लक्ष्मी (RH-8812) किस्म का विकल्प हो सकती है। क्योंकि लक्ष्मी (RH-8812) किस्म किसानों में लोकप्रिय है लेकिन काफी पुरानी (वर्ष 1997 में अधिसूचित) हो चुकी है। यह किस्म सामान्य से अधिक दूरी पर बुवाई के लिये (लाईन से लाईन की दूरी 60 सेन्टीमीटर तक) उपयुक्त पाई गई है। वृहद अन्तरण पर बोई जाने के कारण इस किस्म में सरसों के स्कलेरासिया तना गलन रोग का प्रकोप कम होने के कारण किसानों द्वारा इसकी बुवाई का क्षेत्र फल बढ़ाया गया।
- क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर से विकसित चने की GNG-1581 (गणगौर) व GNG-1958 (मरुधर) किस्मों को कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया द्वारा अपने प्रदशनों में शामिल किया गया और किसानों को इनके गुणों से अवगत कराया गया। परिणामस्वरुप आज GNG-1581 (गणगौर) किस्म हनुमानगढ़ जिले के सिंचित चना उत्पादन क्षेत्र के 60 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाने लगी है, तथा GNG-1958 (मरुधर) किस्म भी किसानों में लोकप्रिय हो रही है।
- गेहूं फसल में तथा Stress Management तथा नमी प्रबन्धन के लिये केन्द्र द्वारा किसानों के खेतों पर माइकोराईजल कवक {Vasicular arbuscular mycorrhial fungi (VAM)} का गेहूं में उपयोग हेतु प्रदर्शन लगाने पर पाया कि माइकोराईजल कवक के 10 किलोग्राम प्रति हैक्टर की दर से प्रयोग करने पर यह पाया गया कि गेहूं की उपज में बिना कमी किये एक सिंचाई की बचत की जा सकती है। उक्त परिणामों के आधार पर ही किसानों को VAM के उपयोग की सलाह दी गई। वर्तमान में, सिर्फ गेहूं में ही नहीं अन्य फसलों में भी किसान वाम का उपयोग कर रहे हैं। हनुमानगढ़ जिले में प्रति वर्ष अकेले T. Stanes & Company Ltd. वे द्वारा ही लगभग 160 टन वाम की बिक्री की जा रही है, जोकि 16000 हैक्टर भूमि के लिये पर्याप्त है। इसके अलावा J.U. Agri Science Pvt. Ltd., Prabhat Fertilizers Pvt. Ltd., International Panaacea Limited इत्यादि कम्पनियां भी जिले में वाम की आपूर्ति करती हैं।
- मशरुम उत्पादन तकनीकी को किसानों में प्रचलित करने व इसे स्वरोजगार के रुप में अपनाने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया द्वारा गत 9 वर्षों में 625 युवाओं के लिये 17 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें से 65 युवाओं ने मिलकर मशरुम उत्पादन की 50 इकाईयां स्थापित कीं और 180 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया । इन इकाईयों से जिले में प्रति वर्ष 1.61 करोड़

रुपये का राजस्व प्राप्त होता है तथा इन युवाओं से प्रेरित होकर जिले के अन्य बेरोजगार युवा इसे स्वरोजगार के रुप में अपना रहे हैं।

- मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने व इसे स्वरोजगार के रुप में अपनाने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया द्वारा गत 9 वर्षों में 552 युवाओं के लिये 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें से 120 युवाओं ने मिलकर मधुमक्खी 69 इकाईयां स्थापित की और 296 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया। इन इकाईयों से जिले में प्रति वर्ष 207 मैट्रिक टन शहद का उत्पादन होता है और 3.10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। मधुमक्खी पालन को क्षेत्र के युवाओं द्वारा खेती के साथ एक सहायक धन्धे के रुप में अपनाया है। जिससे उन्हें एक अतिरिक्त रोजगार प्राप्त हो रहा है। इसके साथ 140 मधुमक्खी पालकों को नैशनल मधुमक्खी बोर्ड से भी प्रमाणित करवाया।
- मछली पालन को व्यवसाय के रुप में विकसित करने व जलसंग्रहण के निर्मित बनी डिग्गियों से अतिरिक्त आय प्राप्त करने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया द्वारा गत 9 वर्षों में 477 युवाओं के लिय 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें से 94 युवाओं ने मछली पालन को अपना व्यवसाय बनाया है और प्रति वर्ष 50 हजार से 1 लाख की आय प्राप्त कर रहे हैं। युवाओं का रुझान इस ओर बढ रहा है।
- बकरी पालन के व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया पर वर्ष 2016–17 में बकरी पालन इकाई की स्थापना की गई जिसमें सिरोही नस्ल की बकरी रखी गई। गत 7 वर्षों में बकरी पालन विषय पर 14 प्रशिक्षण के माध्यम से 528 कृषक / युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। तदुपरान्त 47 बकरी पालन इकाईयों की स्थापना हुई। आज ये बकरी पालक 50000 से 150000 रुपये प्रति वर्ष आय प्राप्त कर रहे हैं।
- वर्ष 2016–17 में कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया पर मुर्गी पालन इकाई की स्थापना की गई जिसमें प्रतापधन, कड़कनाथ व आर आई आर नस्ल की मुर्गियां रखी गई । मुर्गी पालन को व्यवसाय तथा सहायक धन्धे के रुप में अपनाने के लिये मुर्गी पालन विषय पर 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 209 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। तदुपरान्त 97 मुर्गी पालन इकाईयों की स्थापना हुई। आज ये मुर्गी पालक 10000 से 1000000 रुपये प्रति वर्ष की आय प्राप्त कर रहे हैं। मुर्गी पालन को व्यवसाय के रुप में अपनाने एवं किसानों को प्रेरित करने के लिये अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों को आयोजन किया जाता है। जिससे क्षेत्र के युवा बेरोजगारों को रुझान इस ओर देखा गया है।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा ग्रामीण परिवारों के पोषण एवं स्वास्थ्य के सुधार तथा भोजन में फलों व सब्जियों के समावेश के लिये 150 वर्गफीट का पोषण वाटिका नमूना तैयार किया गया। इस नमूने को आधार मानते हुये केन्द्र द्वारा अब तक 195 प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन लगाये गये तथा इस तकनीकी का प्रसार प्रसार कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र में प्रसार किया गया जिसके प्रभाव से किसान परिवारों के स्वास्थ्य में सुधार आया, धन की बचत हुई तथा ताजे फल व सब्जियों का भोजन में समावेश हुआ। परिणामस्वरुप आज पोषण वाटिका को लगाने का कार्य काफी प्रचलित हैं तथा केन्द्र इसे सम्पूर्ण जिले के किसानों के स्थापित करवाने हेतु प्रयासरत है।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया द्वारा वर्ष 2019 से मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की जा रही है। इस कार्य के लिये भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा मौसम पूर्वानुमान इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई की स्थापना के बाद हर मंगलवार व हर शुक्रवार को आगामी पांच दिनों की मौसम पूर्वानुमान की एडवाईजरी जारी की जाती है। जिससे प्रत्यक्ष रुप से जिले के 23500 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। किसानों को उचित समय पर पूर्वानुमान व कृषि सलाह दी जाती है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के क्षेत्र में उत्कृट कार्य करने पर कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा.वि. संगरिया के सम्मानित सदस्यों की सूची

कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया को उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिये प्राप्त प्रमाण पत्रों की सूची

क.सं.	पुरस्कार का नाम	देने वाले संस्थान का नाम	प्राप्ति वर्ष	फोटो

1.	जिला स्तरीय किसान मेला 2014 में आयोजित प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर सम्मानित	कृषि प्रोद्योगिकी प्रबन्ध अभिकरण(आत्मा) हनुमानगढ(राज.)	2014	 राजस्थान सरकार कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) हनुमानगढ़ जिला स्तरीय किसान मेला दिनांक 26 फरवरी 2014 स्थान - ग्राहय परीक्षण केन्द्र(एटीसी) फतेहगढ़ मोड़ हनुमानगढ़ टाउन प्रमाण – पत्र मैसर्स/श्री. कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया ने जिला स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी फल/सब्जी/फसल/स्टॉल प्रदर्शनी में प्रथम/द्वितीय/तृतीय स्थान प्राप्त किया फलस्वरूप आत्मा योजनान्तर्गत प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। परियोजना निदेशक (आत्मा) हनुमानगढ़
2.	जिला स्तरीय किसान मेला 2015 में आयोजित प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर सम्मानित	कृषि प्रोद्योगिकी प्रबन्ध अभिकरण(आत्मा) हनुमानगढ(राज.)	2015	 NABARD जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला 2015 17 मार्च 2015 प्रशस्ति–पत्र मैसर्स/श्री कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया (राज.) में आयोजित जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला 2015 की स्टॉल प्रतियोगिता प्रदर्शनी प्रतियोगिता दिनांक 17 मार्च 2015 (मंगलवार) में सक्रिय भागीदारी लेने एवं प्रथम स्थान प्राप्त करने पर द्वारा प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड, हनुमानगढ़ उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक आत्मा, हनुमानगढ़ कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया
3.	भारत का पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला 2017 में आयोजित प्रदर्शनी (स्टाल(सरकारी)) में तृतीय स्थान पर सम्मानित	प्रसार शिक्षा निदेशालय, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर(राज.)	2017	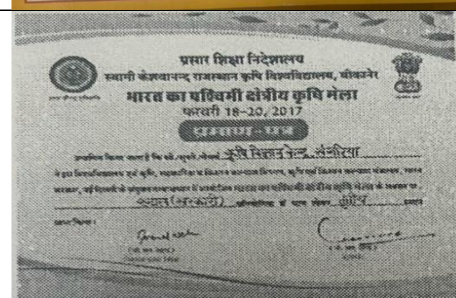 प्रसार शिक्षा निदेशालय स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर भारत का पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला फरवरी 18-20, 2017 प्रमाण-पत्र प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/मैसर्स कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया [illegible] स्टाल (सरकारी) प्रतियोगिता में स्थान तृतीय प्राप्त किया।
4.	किसान मेला एंव कृषि नवाचार दिवस 2017 में सराहनीय योगदान देने पर प्रमाण–पत्र प्रदान किया	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर (राज.)	2017	 CAZRI भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर किसान मेला एवं कृषि नवाचार दिवस 23 सितम्बर, 2017 प्रमाण–पत्र श्री/श्रीमती/मैसर्स Krishi Vigyan Kendra, Sangria. ने केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में आयोजित किसान मेला एवं कृषि नवाचार दिवस-2017 में आयोजित कृषि प्रदर्शनी में भाग लिया। इस अवसर पर आपका योगदान सराहनीय रहा तथा हम भविष्य में आपके सहयोग की कामना करते हैं। डॉ. प्रतिभा तिवारी विभागाध्यक्ष एवं मेला संयोजिका डॉ. ओम प्रकाश यादव निदेशक

कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने पर कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया के सम्मानित सदस्यों की सूची

क.सं.	पुरस्कार का नाम	पाने वाले का नाम	प्राप्ति वर्ष	फोटो
5.	जिले में किसानों को कृषि तकनीकि में उत्कृष्ठ कार्यो के लिए जिला स्तर पर (गणतन्त्र दिवस 2011) सम्मानित	डॉ. अनूप कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एंव अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया	2011	

6.	मशरुम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व समन्वित कीट प्रबन्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये उपखण्ड अधिकारी, संगरिया द्वारा गणतन्त्र दिवस 2016 को सम्मानित	श्री उमेश कुमार, विषय विषेषज्ञ (पादप संरक्षण)	2016		
7.	जैविक खेती मृदा स्वास्थ्य एंव उन्नत किस्मों के प्रदर्षन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये उपखण्ड अधिकारी, संगरिया द्वारा गणतन्त्र दिवस 2018 को सम्मानित	डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा, विषय विशेषज्ञ (शस्य विज्ञान), कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया, जिला–हनुमानगढ, 8432557123	2018		
8.	कृषि व जल कृषि द्वारा किसानो की आय बढाने के युवा वैज्ञानिक के रुप में सीफा, भुवनेश्वर में सम्मानित कृषि तकनीकी के प्रसार के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य के लिये जिला स्तर (हनुमानगढ) गणतन्त्र दिवस 2018 को सम्मानित	डॉ. कुलदीप सिहं, विषय विशेषज्ञ (प्रसार शिक्षा), कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया, जिला–हनुमानगढ, 9672133448	2018 2018		
9.	केवीके फार्म पर परीक्षण, बीजोत्पादन आदि में उत्कृष्ठ कार्य के लिये उपखण्ड अधिकारी, संगरिया द्वारा गणतन्त्र दिवस 2018 को सम्मानित	श्री विजय कुमार, फार्म अटैन्डेन्ट, कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया, जिला–हनुमानगढ, 9460621549	2018		
10.	जिले में किसानों को कृषि तकनीकी में उत्कृष्ठ कार्यो के लिये जिला स्तर पर गणतन्त्र दिवस 2019 को सम्मानित	डॉ. अनूप कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एंव अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया	2019		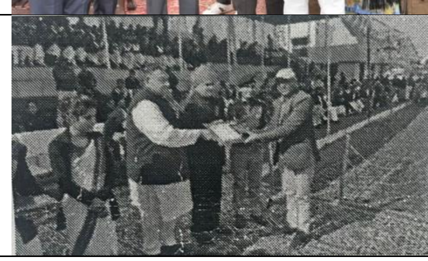

11.	केवीके फार्म प्रबन्धन में उत्कृष्ठ कार्यो के लिये जिला स्तर पर गणतन्त्र दिवस 2019 को सम्मानित	श्री रघुवीर नैण, प्रक्षेत्र प्रबन्धक, कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया	2019	

कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा. वि., संगरिया से प्रशिक्षण प्राप्त व कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने पर जिला व खण्ड स्तर पर सम्मानित कृषकों की सूची

	पुरस्कार का नाम	पाने वाले का नाम	फोटो
	जैविक खेती को अपनाने में सराहनीय योगदान देने पर जिला स्तरीय किसान मेला 2003–04 में सम्मानित	श्री अरविन्द कुमार पुत्र श्री प्रहलाद राय धारणियां, गांव व पोस्ट–संगरिया, तहसील–संगरिया जिला–हनुमानगढ(राज.)	
	जैविक खेती को अपनाने व बढ़ावा देने में सरानीय योगदान देने पर (स्वतन्त्रता दिवस 2005) सम्मानित	श्री नत्थूराम सींवर पुत्र श्री दौलतराम सींवर, गांव व पोस्ट – ढ़ाबां, तहसील – संगरिया जिला – हनुमानगढ़ (राज.) 9672372231	
	जैविक खेती का अपनाने में सराहनीय योगदान देने पर जिला स्तर (हनुमानगढ़) पर (स्वतन्त्रता दिवस 2010) सम्मानित, जैविक खेती अपनाने पर उप खण्ड स्तर संगरिया में गणतन्त्र दिवस 2013 पर सम्मानित	श्री अरविन्द कुमार पुत्र श्री प्रहलाद राय धारणियां, गांव व पोस्ट–संगरिया, तहसील–संगरिया जिला–हनुमानगढ(राज.) 9460205034	

	स्वयं सहायता समूह के सफल संचालन व महिलाओं को प्रेरित करने हेतु उप खण्ड स्तर संगरिया पर गण्तन्त्र दिवस 2012 के अवसर पर सम्मानित	श्रीमति सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री चरणजीत सिंह सरां, वार्ड नंण 1, भगतपुरा रोड़, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 8955178510	
	सब्जी उत्पादन में श्रेष्ठता के चलते टिब्बी उपखण्ड स्तर पर स्वतन्त्रता दिवस 2014 में सम्मानित जैविक सब्जी उत्पादन एवं वैज्ञानकि ढ़ंग से कृषि करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु जिला स्तर (हनुमानगढ़) में स्वतन्त्रता दिवस, 2017 पर सम्मानित	श्री रघुवीर गोदारा पुत्र श्री इन्द्राज गोदारा, गांव व पोस्ट नाईवाला, तहसील त्र–टिबबी, जिला–हनुमानगढ़ मो. नं. 9413934928	
	सब्जी फसलों का बीज उत्पादन, फलदार पौधों की पौध तैयार करना, सब्जी उत्पादन, जल बचत व जल प्रबन्धन हेतु डिग्गी, बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली, डिग्गी में मछली पालन, फसलों में परागण क्रियाओं को बढ़ावा देने के लिये, मधुमक्खी पालन अपनाने पर संगरिया उपखण्ड स्तर गणतन्त्र दिवस 2015 पर सम्मानित	श्री मदन कुकना पुत्र श्री देवीलाल कुकना गांव व पोस्ट–दीनगढ़, संगरिया जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9460723919	

	मशरुम उत्पादन को नवाचार में अपनाने पर उपखण्ड स्तर पर संगरिया में गणतन्त्र दिवस 2015 पर सम्मानित	श्री हरीराम पुत्र श्री हंसराज कुम्हार, गांव व पोस्ट हरीपुरा, संगरिया, जिला – हनुमानगढ़ मो.नं. 9461678870	
	मशरुम उत्पादन में उत्कृष्ट कार्य के लिये हनुमानगढ़ जिला स्तर पर हनमानगढ़ गणतन्त्र दिवस, 2015 पर सम्मानित	श्री सीताराम पुत्र श्री नत्थूराम सोनी गांव व पोस्ट गांधीबड़ी, तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9413431340	
	महिला सषक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिये उपखण्ड संगरिया द्वारा स्वतन्त्रता दिवस, 2015 पर सम्मानित	श्रीमती कविता कस्वां पत्नी श्री कुलदीप कस्वां गांव व पोस्ट – बोलावाली, तहसील संगरिया, जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9214567301	
	उन्नत कृषि कार्य को बढ़ावा देने के लिये उपखण्ड टिब्बी में स्वतन्त्रता दिवस 2015 पर सम्मानित	श्री विजय सिंह पुत्र श्री अमराराम, चक 10 सीडीआर'ए', कुलचन्द्र, तहसील टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 9667143733	
	मछली पालन को अपनाने व बढ़ावा देने के लिये उपखण्ड संगरिया द्वारा स्वतन्त्रता दिवस 2015 को सम्मानित	श्री सुखपाल सिंह पुत्र श्री राम सिंह गांव व पोस्ट इन्द्रगढ़, तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 9460690270, 9982140499	
	बीज उत्पादन, जैतुन की खेती, बकरी पालन, रंगीन मछली बीज उत्पादन, जल बचत, जल प्रबन्धन व सौर उर्जा को अपनाने व बढ़ावा देने के लिये उपखण्ड संगरिया द्वारा स्वतन्त्रता	श्री गुरलाल सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, गांव व पोस्ट बोलावाली, तहसील –संगरिया जिला–हनुमानगढ़ मो.नं. 978441922	

	दिवस 2015 पर सम्मानित		
	जैविक खेती, न्यूट्रीशनल गार्डन तैयार करना के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये उपखण्ड संगरिया द्वारा गणतंत्र दिवस 2018 पर सम्मानित	श्रीमती सुखप्रीत कौर पत्नी श्रीबलजिन्द्र सिंह, गांव – जण्डवाला सिक्खान, तहसील –संगरिया जिला– हनुमानगढ़ मो.नं. 9057996561	
	1. मशरुम उत्पादन को नवाचार में अपनाने पर उपखण्ड टिब्बी द्वारा स्वतन्त्रता दिवस 2016 पर सम्मानित। 2. मशरुम उत्पादन को नवाचार में अपनाने पर आत्मा, हनुमानगढ़ द्वारा सम्मानित किया गया। 3. माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे द्वारा मशरुम उत्पादन को नवाचार में अपनाने पर दैनिक भास्कर समूह द्वारा वीमैन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। 4. राजस्थान राज्य महिला आयोग, जयपुर द्वारा महिला उद्यमिता के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्य के लिये 21 मार्च, 2018 को सम्मानित	श्रीमती गायत्री देवी राठौड़ पत्नी श्री काल सिंह गांव व पोस्ट तलवाड़ा झील, जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 9460266301	

	बैक यार्ड पोल्ट्री में उत्कृष्ट कार्य के साथ साथ LIT स्कीम के तहत 100 बीपीएल परिवारों को बैकयार्ड पोल्ट्री को प्रोत्साहन देने के लिये 20–20 चैब्रों नस्ल के चूजे बैकयार्ड में पालने हेतु उप खण्ड अधिकारी, संगरिया द्वारा गणतन्त्र दिवस 2018 को सम्मानित	श्री गौतम चौधरी, गांव रतनपुरा, संगरिया जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9672620576	
	आलु, मश/म उत्पादन एवं पशुपालन में प्रगतिशील कृषक होने पर उपखण्ड अधिकारी, टिब्बी द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2019 को सम्मानित	श्री रामप्रताप, गांव कुलचन्द्र, टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9571395288	 कार्यालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट टिब्बी प्रशस्ति-पत्र श्री/श्रीमती/सुश्री राम प्रताप पुत्र/पुत्री श्री आशाराम विभाग/संस्थान कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया ने वर्ष 2018-2019 में प्रगतिशील किसान करने पर उन्हें इस उल्लेखनीय उपलब्धि/उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वतन्त्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2019 के अवसर पर यह प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। स्थान - टिब्बी दिनांक - 15 अगस्त 2019 उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट टिब्बी, जिला-हनुमानगढ़ (राज.)
	फसल विविधीकरण, जल बचत, वैज्ञानिक खेती तथा पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये उपखण्ड अधिकारी, संगरिया द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2019 तथा उन्नत एवं आधुनिक तकनीक से पशुपालन व्यवसाय के लिये राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान योजनान्तर्गत वर्ष 2022–23 में सम्मानित	श्री हनुमान गांव बोलांवाली, संगरिया जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9414652528	 कार्यालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट संगरिया प्रशस्ति-पत्र श्री/श्रीमती/सुश्री हनुमान पुत्र/पुत्री श्री रूपराम विभाग/संस्थान प्रगतिशील किसान ने वर्ष 2018-2019 में फसल विविधीकरण, जल बचत, वैज्ञानिक खेती तथा पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर उन्हें इस उल्लेखनीय उपलब्धि/उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वतन्त्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2019 के अवसर पर यह प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। स्थान - संगरिया दिनांक - 15 अगस्त 2019 उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट संगरिया, जिला-हनुमानगढ़ (राज.) पशुपालन विभाग राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान समारोह प्रमाण-पत्र श्री हनुमान पुत्र श्री रूपराम संगरिया, हनुमानगढ़ को उनके द्वारा उन्नत एवं आधुनिक तकनीक से किये जा रहे पशुपालन व्यवसाय के लिए राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 के लिए पंचायत समिति स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। (डॉ. भवानी सिंह राठौड़) (श्री कृष्ण कुणाल, आई.ए.एस.) जयपुर 22 मार्च, 2023

	रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव व जैविक खेती के लिये किसानों को प्रेरित करने हेतु उपखण्ड अधिकारी, संगरिया द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2017 तथा प्रगतिशील किसान एवं कृषि प्रसार कार्य हेतु किसानों को अवगत के लिये जिला स्तर पर गणतन्त्र दिवस 2023 को सम्मानित	श्री कुलदीप सिंह, गांव भाकरांवाली, संगरिया जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9983200007	

सफलता की कहानियां

क.सं.	किसान का नाम व पता	शीर्षक/क्षेत्र	वर्षिक आय रु.	प्रशिक्षण से पूर्व
1.	श्री महावीर बेनीवाल पुत्र श्री लाल सिंह, शिव शक्ति जैविक उद्योग, चक 19 एनजीसी'ए' शिवपुरी, पीरकामड़िया, जिला – हनुमानगढ़	वर्मी कम्पोस्ट ने दिया रोजगार	1.8 लाख शुद्ध लाभ	फसलोत्पादन
2.	श्रीगुरुनानक स्वयं सहायता, संगरिया जिला हनुमानगढ़	मसाला पिसाई, पैकिंग व बेचना (हल्दी, मिर्च, धनिया, गर्म मसाला)	प्रत्येक महिला प्रतिमाह रु. 700 से 1000	गृहनियां (10 महिलायें)
3.	श्री नायब सिंह, गांव व पोस्ट मानकसर, तहसील व जिला हनुमानगढ़	मशरुम उत्पादन बना स्वरोजगार का साधन	0.85 लाख शुद्ध लाभ प्रति सीजन	परम्परागत खेती
4.	श्री नरेन्द्र पाल पुत्र श्री बलवन्त राम, चक 3 एनटीडब्ल्यू संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9828929581	संरक्षित खेती से स्वरोजगार	2.98 लाख शुद्ध लाभ	परम्परागत खेती
5.	श्री अमर सिंह सिहाग, गांव व पोस्ट मुण्डा तहसील व जिला हनुमानगढ़	धोरों में सफल सब्जी उत्पादन	0.80 लाख शुद्ध लाख	यह एक नवाचार
6.	श्री अरविन्द्र कुमार पुत्र श्री प्रहलाद राय धारणियां, गांव व पोस्ट संगरिया जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 9460205034	जैविक खेती – स्वस्थ जीवन का आधार	पर्यावरण सुरक्षा	यह एक नवाचार
7.	श्री लखविन्द्र सिंह पुत्र श्री जसपाल सिंह गांव बोलावाली, तहसील संगरिया, जिला हनुमानगढ़	आजीविका मिशन ने दी नई दिशा	3.60 लाख	बेरोजगार
8.	श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री बृजलाल गांव हरीपुरा, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9461563326	पैरा वैट से स्वरोजगार	3.60 लाख	बेरोजगार
9.	श्री रवि देवरथ पुत्र श्री श्रीराम, चूना फाटक, हनुमानगढ़ 9887511705	एक्वेरियम मैनेजमेन्ट व अलंकृत मछली पालनः स्वरोजगार बना	1.0 लाख	बेरोजगार
10.	श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री कृष्ण लाल गांव मानक टिब्बी, पोस्ट खाराखेड़ा, तहसील टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ 9416183616	पैरावैट : स्वरोजगार का दरवाजा	1.8 लाख	बेरोजगार
11.	श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री सहीराम गांव बोलावाली, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 9460306330	एक सफल किन्नौ उत्पादक	2.9 लाख शुद्ध लाभ 1.5 हैक्टर से	परम्परागत खेती
12.	सुश्री सोना देवी पुत्री श्री कृष्ण चन्द्र बरजाती, भाकरावाली, संगरिया, जिला हनुमानगढ़	ब्यूटी पार्लर : महिलाओं के प्रभावी स्वरोजगार	0.6 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार

	9799232388			
13.	श्री अजित सिंह पुत्र श्री सुखदेव सिंह, हनी बी सैन्टर, भगतपुरा, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9460753307	शहद से अधिक धन	1.0 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार
14.	श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री हरमीत सिंह गांव मानकसर, तहसील व जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 9950369961	सिलाई : ग्रामीण महिलाओं के लिये स्वरोजगार	0.6 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार गृहणी
15.	श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी श्री इन्द्रपाल सिंह, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 7568072076	हैण्डी क्राफ्ट से स्वरोजगार	0.4 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार गृहणी
16.	श्रीमति गायत्री देवी राठौड़ पत्नी श्री कालू सिंह गांव तलवाड़ा झील, तहसील टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9602679027	बटन मशरुम से 20 लाख रुपये की आय : श्रीमती गायत्री देवी	8 लाख शुद्ध लाभ	एक दिव्यांग गृहणी
17.	श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह, गांव जण्डवाला सिक्खान, तहसील संगरिया, जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 9602679027	शहद उत्पादन से जीवन में मीठास	0.7 लाख शुद्ध लाभ	परम्परागत खेती
18.	श्री सीताराम पुत्र श्री नत्थूराम सोनी, गांव गांधी बड़ी, भादरा, जिला हनुमानगढ़ मो. नं. 9413431340	मिल्की मशरुम से स्वरोजगार	2 लाख शुद्ध लाभ	परम्परागत खेती व मजदूरी
19.	श्री विजय सिंह पुत्र श्री भानीराम डूडी गांव कुलचन्द्र, तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़ 9414001502	आलू उत्पादन में रोल मॉडल	1.2 लाख शुद्ध लाभ प्रति हैक्टर प्रति सीजन	आलू उत्पादन
20.	श्री सुनिल कुमार पुत्र श्री सूर्यप्रताप, गांव बोलावाली, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 9929182803	पशुस्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वरोजगार	3.6 लाख	बेरोजगार
21.	श्री संदीप स्वामी पुत्र श्री पूरनराम, गांव नगराना, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 9982093142	पशुस्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वरोजगार	2.52 लाख	बेरोजगार
22.	श्री हरी राम पुत्र श्री हंसराज, गांव हरीपुरा, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ मो.नं. 9461678870	मशरुम उत्पादन से जीवन में परिवर्तन	0.9 लाख शुद्ध लाभ दो माह में	परम्परागत खेती एवं अध्ययन
23.	श्री नरेश गोदारा पुत्र श्री मुखराम गोदारा, गांव इन्द्रपुरा, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9413514836	बगवानी : आय का अतिरिक्त स्रोत	2 लाख शुद्ध लाभ प्रति हैक्टर प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
24.	श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री सही राम चाहर, गांव मल्लड़खेड़ा, तहसील टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ 9414505341	सब्जी उत्पादन में रोल मॉडल	2 लाख शुद्ध लाभ प्रति हैक्टर प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
25.	श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सुखदेव सिंह, गांव भगतपुरा, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9460753307	भूमिहीन किसान मधुमक्खी पालन से लाखों कमाता है	2 लाख शुद्ध लाभ	मधुमक्खी पालन में मजदूरी
26	श्री रघुवीर गोदारा पुत्र श्री इन्द्राज सिंह, गांव नाईवाला, पोस्ट सुरेवाला, तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ़ 9413934928	सब्जी उत्पादन में रोल मॉडल	4 लाख शुद्ध लाभ प्रति हैक्टर	परम्परागत खेती
27.	श्री लीलाधर पुत्र श्री गौरीशंकर शर्मा, गांव भाकरावाली, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 9799221600	शहद उत्पादन से स्वरोजगार	1.38 लाख सकल आय तीन माह में	खेती व मजदूरी
28.	श्री रामेश्वर ढ़ाका पुत्र श्री लेखराम, गांव जोरावरपुरा, जिला हनुमानगढ़ 7665405119			परम्परागत खेती
29.	श्री मांगी लाल पुत्र श्री हेतराम पूनिया, चक 12 केडब्ल्यूडी, रावतसर जिला हनुमानगढ़ 9460753307	गुलाब की खेती एक लाभदायक वयवसाय	4 लाख शुद्ध लाभ 3. 5 बीघा प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
30.	श्री विजय सिंह पुत्र श्री अमराराम, चक 10 सीडीआर 'ए', कुलचन्द्र, तहसील टिब्बी, जिला	खाद्य सोना 'आलू' उत्पादन	3.6 लाख सकल आय प्रति हैक्टर प्रति	आलू उत्पादन व वैज्ञानिक

	हनुमानगढ़ 9667143733		सीजन	खेती
31.	श्री मदन लाल कूकना पुत्र श्री देवी लाल कूकना, चक 9 बीजीपी 'बी', दीनगढ़ तहसील संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9460723919	सब्जी बीज उत्पादन : एक लाभदायक खेती	1.6 लाख शुद्ध लाभ प्रति हैक्टर प्रति सीजन	परम्परागत खेती
32.	श्री परमानन्द देवरथ पुत्र श्री हरीराम, चूना फाटक, हनुमानगढ़ 9887511705	अलंकृत मछली पालन एक स्वरोजगार बना	1.5 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार
33.	श्री संदीप कुमार पुत्र श्री दयाराम, गांव भाम्भूवाली ढ़ाणी, तहसील व जिला हनुमानगढ़, 9829974495	वैज्ञानिक बकरी प्रजनन : आय में इजाफा	5.4 लाख सकल आय दूध, बच्चे व खाद से	परम्परागत खेती
34.	श्री सुखपाल सिंह पुत्र श्री राम सिंह, चक 8 एनकेआर, इन्द्रगढ, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9460690270	जल कृषि बना आजीविका का साधन	1.51 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार
35.	श्रीमती कविता कस्वां पत्नी श्री कुलदीप कस्वां, गांव बोलावाली, तहसील संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9214567301	ब्यूटी पार्लरः एक प्रभावी स्वरोजगार	3.6 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार
36.	श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री कुलवन्त सिंह, वार्ड न. 1, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9462024661	सिलाई : ग्रामीण महिलाओं के लिये स्वरोजगार	1.2 लाख (शुद्ध लाभ)	बेरोजगार गृहणी
37.	श्रीमती वीरपाल कौर पत्नी श्री निर्मल सिंह, गांव व पोस्ट– जन्डवाला सिखान, तहसील– संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9413630466	बुटीक से स्वरोजगार	1.22 लाख (शुद्ध लाभ)	बेरोजगार गृहणी
38.	श्री सुखजीत सिंह पुत्र श्री जरनैल सिंह, चक 1 पीटीपी, संतपुरा तहसील– संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9928718909	तरबूज की खेती : एक नवचार	2.1 लाख शुद्ध लाभ प्रति हैक्टर प्रति सीजन	परम्परागत खेती
39.	श्री सतेन्द्र सिंह, संगरिया, जिला हनुमानगढ़	दुग्धशाला 120 गाय व 50 भैंस से धन कमाना	20.4 से 24.0 लाख सकल आय दूध, क्रीम व घी इत्यादि से	छोटे स्तर पर परम्परागत पशु पालन
40.	श्री बलवन्त गोदारा पुत्र श्री रामप्रताप गोदारा, ढ़ाबां स्टेशन, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9460102825	मुर्गी पालन अच्छा स्वरोजगार	0.4 लाख शुद्ध आय 2000 ब्रॉयलर के एक बैच (45 दिन) से	परम्परागत खेती
41.	श्री संदीप कुमार पुत्र श्री कृष्ण कुमार, ढ़ाबां, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 8432716111	देशी सब्जियों की उत्पादन तकनीक	2.0 लाख शुद्ध लाभ प्रति हैक्टर	परम्परागत खेती
42.	श्रीमती अमनदीप कौर पत्नी श्री सतपाल सिंह, जण्डवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनुमानगढ 9649922699	बैकयार्ड पोल्ट्री	0.51 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	बेरोजगार गृहणी
43.	श्री लखवीर सिंह पुत्र श्री भोला सिंह, जण्डवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनुमानगढ 6377708865	डेयरी	1.20 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
44.	श्री पवन कुमार, अमरपुरा जालू, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9828917889	डेयरी	2.8 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	बेरोजगार
45.	श्रीमती सुमन पत्नी श्री विरेन्द्र सिंह गांव बोलावाली, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 7615905534	डेयरी	6.1 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	बेरोजगार गृहणी
46.	श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री चड़ सिंह गांव, हरीपुरा, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 9785378479	पोल्ट्री	7.3 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
47.	श्री सुरेन्द्र कुमार यादव पुत्र श्री हरदयालराम, रतनपुरा, संगरिया जिला हनुमानगढ़ 7220009055	मधुमक्खी पालन	2.16 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	खेती
48.	श्री श्याम सुन्दर पुत्र श्री रुपराम, कुलचन्द्र, टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ 9414874762	मशरुम उत्पादन	4.71 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	खेती
49.	श्री पोला राम पुत्र श्री मनी राम, मोहनमगरिया,	मधुमक्खी पालन	6.82 लाख शुद्ध लाभ	बेरोजगार

	तहसील व जिला हनुमानगढ़ 6375586798		प्रति वर्ष	
50.	श्रीमती सुखप्रीत कौर पत्नी, जण्डवाला सिक्खान, संगरिय, जिला हनुमानगढ़ 9649096033	किचन गार्डनिंग	4.5 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	बेरोजगार गृहणी
51.	श्री सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री चरणजीत सिंह, जएडवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनमानगढ़ 7014625883	मसाला पैकिंग	3.26 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	बेरोजगार गृहणी
52.	श्रीमती राजवीर कौर, जण्डवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 8441036512	सिलाई	4.0 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	बेरोजगार गृहणी
53.	सुखप्रीत कौर, जण्डवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 9079981379	सिलाई	2.10 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	खेती
54.	जसविन्द्र कौर, गांव जडवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनुमानगढ़, 9784632553	किचन गार्डनिंग, सिलाई	0.89 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	खेती
55.	श्री बंशीलाल, कुलचन्द्र, टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ 8432708485	आलू उत्पादन में रोल मॉडल	3.8 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	आलू उत्पादन
56.	श्री मोहनलाल, कुलचन्द्र, टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ 9462201976	आलू उत्पादन	7.6 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
57.	श्री रामप्रताप भाटीवाल, चक 10 सीडीआर, कुलचन्द्र, टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ 9571395288	मशरुम उत्पादन	12.24 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
58.	श्री जलन्धर सिंह, चक 5 केएसडी, सन्तपुरा, संगरिया, जिला हनुमानगढ़, 9950177341	अंजीर की खेती	15.08 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
59.	श्री शमशेर सिंह, चक 1 एसटीडी, मानकसर, संगरिया जिला हनुमानगढ़, 9571337415	प्याज की खेती	7.76 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
60.	श्री सुधीर कुमार चक 1 एएमपी 'बी' गांव दीनगढ़, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 6375731750	किन्नौ बाग	28.62 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
61	श्री संदीप कुमार, चक 5 केएचआर, खाराखेड़ा, टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ 9928420356	किन्नौ बाग	19.27 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
62	श्री गुरप्यार सिंह, जण्डवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनुमानगढ़, 9950111962	पोल्ट्री एवं बकरी पालन	10.68 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती
63.	श्री बलराज सिंह पुत्र श्री पाल सिंह, जण्डवाला सिक्खान, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ 7734900063	डेयरिंग	10.47 लाख शुद्ध लाभ प्रति वर्ष	परम्परागत खेती

रेजड बैड किन्नौ प्रदर्शन इकाई

राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना (RWSLIP) जल संसाधन विभाग, जयपुर के अन्तर्गत केन्द्र पर वर्ष 2020–21 में 1.0 हैक्टर क्षेत्रफल में रैजड बैड किन्नौ प्रदर्शन इकाई की स्थापना की गई। यह बाग एक नई तकनीक ऊंची उठी हुई क्यारियों पर पौधरोपण किया गया है। यह पूर्णतया बूंद–बूंद सिंचाई पद्धति पर आधारित है। जिससे जल बचत के प्रति कृषकों को जागरुक किया जा सके साथ ही इसमें प्लासिटक मल्च का प्रयोग किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य नमी संरक्षण व खरपतवार प्रबन्धन है।

हर्बल गार्डन

केन्द्र पर वर्ष 2022–23 में हर्बल गार्डन की स्थापना 0.25 हैक्टर क्षेत्रफल में की गई हैं इसके अन्तर्गत क्षेत्र में कम प्रचलित फलवृक्ष आलू, आलू बुखारा, सेब, अंजीर व लीची की उन्नत किस्मों के पौधे रोपण किये गये हैं। साथ ही इसमें विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधे जैसे तुलसी, शतावर, छोटी इलायची, स्ट्रोनेला, लेमनग्रास, एलोवेरा, बच, कालमेघ, सफेद आक व ब्राह्मी इत्यादि का रोपण किया गया है।